6. वैश्वीकरण

1. विदेश व्यापार विभिन्न देशों के बाजारों को जोड़ने अथवा उनके एकीकरण में किस प्रकार सहायक होता है?

उत्तर - प्राचीनकाल से ही विदेश व्यापार विभिन्न देशों को परस्पर जोड़ने का माध्यम रहा है। विदेश व्यापार उत्पादकों को घरेलू बाजारों, अर्थात देश के बाजारों से बाहर के बाजारों में पहुँचने का अवसर प्रदान करता है। इसी प्रकार दूसरे देशों में उत्पादित वस्तुओं के आयात से क्रेताओं के समक्ष घरेलू उत्पादन के साथ ही अन्य विकल्पों का विस्तार होता है। सामान्यतः, दो देशों के बीच मुक्त व्यापार होने से वस्तुओं का एक बाजार से दूसरे बाजार में आवागमन होता है। बाजार में वस्तुओं के विकल्प बढ़ जाते हैं। दो देशों के बाजार में एक ही वस्तु का मूल्य एकसमान होने लगता है। इसके फलस्वरूप सुदूर देशों के उत्पादक भी एक-दूसरे से प्रतिस्पर्द्धा कर सकते है। इस प्रकार, विदेश व्यापार विभिन्न देशों के बाजारों को जोड़ने अथवा उनके एकीकरण में सहायक सिद्ध हुआ है।

2. वैश्वीकरण को प्रभावित करनेवाले कारकों का उल्लेख करें। अथवा, प्रौद्योगिकी में होनेवाली प्रगति ने वैश्वीकरण को कैसे संभव बनाया है?

उत्तर - वैश्वीकरण को प्रभावित करनेवाले कारकों में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में होनेवाली प्रगति महत्त्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, पिछले लगभग 50 वर्षों में परिवहन प्रौद्योगिकी में बहुत सुधार हुए हैं। इससे भारी और नाशवान वस्तुओं को भी सुदूर देशों में भेजना संभव हो गया है। लेकिन, वैश्वीकरण को प्रोत्साहित करनेवाले कारकों में परिवहन प्रौद्योगिकी से भी अधिक महत्त्वपूर्ण सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का विकास है। आज विश्व के प्रायः सभी भागों के उत्पादक, विक्रेता एवं ग्राहक एक-दूसरे से बहुत शीघ्र संबंध स्थापित कर सकते हैं। इससे केवल वस्तुओं के ही नहीं, वरन सेवाओं के बाजार का भी बहुत विस्तार हुआ है।

3. निजीकरण से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर - निजीकरण की धारणा विगत वर्षों के अंतर्गत भारतीय अर्थव्यवस्था में किए है जानेवाले आर्थिक सुधारों से संबंधित है। यह इस विचारधारा के अनुरूप है कि सरकार का कार्य व्यवसाय करना नहीं है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत में सार्वजनिक क्षेत्र का बहुत विस्तार हुआ है। लेकिन, सार्वजनिक क्षेत्र का कार्य संपादन आशा के अनुरूप - नहीं हो रहा है। इस क्षेत्र के

अधिकांश उपक्रम घाटे में चल रहे हैं, अथवा बहुत कम लाभ अर्जित करते हैं। अतएव, अब भारत सरकार की विचारधारा एवं इसकी आर्थिक नीति निजीकरण के पक्ष में है। इसके फलस्वरूप निजी क्षेत्र को अनेक प्रतिबंधों से मुक्त कर दिया गया है। अब निजी क्षेत्र कई ऐसी औद्योगिक क्रियाओं के संचालन में प्रवेश कर सकता है जो इसके पूर्व केवल सार्वजनिक क्षेत्र के लिए सुरक्षित थे। निजी क्षेत्र का विस्तार करने के लिए विदेशी कंपनियों को भी देश में अपने उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

वैश्वीकरण

1. भारत में वैश्वीकरण के पक्ष में तर्क दें।

उत्तर - भारत सरकार की वर्तमान आर्थिक नीति का उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण के लिए इसमें विश्व स्तर की प्रतिस्पर्द्धात्मक क्षमता का विकास करना है। यह सरकार की पूर्व नीतियों से भिन्न है जिसमें उद्योग और व्यापार पर कई प्रकार के प्रतिबंध लगाए गए थे।

भारत के लिए वैश्वीकरण निम्नांकित कई कारणों से आवश्यक है।

(i) भारत की आंतरिक बचत पर्याप्त नहीं है। पूँजी की कमी हमारे देश के आर्थिक विकास में बाधक सिद्ध होती है। वैश्वीकरण से विदेशी पूँजी निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।

(ii) वैश्वीकरण से भारतीय उद्योगों की उत्पादकता और कुशलता में भी वृद्धि होने की संभावना है। वैश्वीकरण से देश में बहुराष्ट्रीय निगमों का आगमन होता है। ये निगम अपने साथ नवीनतम तकनीक और प्रौद्योगिकी भी लाते हैं जिसके प्रभाव दूरगामी होते हैं।

(iii) वैश्वीकरण से देश के उत्पादकों को विदेशी प्रतिस्पर्द्धा का सामना करना पड़ता है। अतः, वे अपनी उत्पादन-विधियों में सुधार लाने के लिए बाध्य हो जाते हैं। इस प्रकार, वैश्वीकरण हमारे देश की प्रतिस्पर्द्धात्मक क्षमता को बढ़ाने में सहायक होगा।

(iv) भारत जैसे विकासशील देशों में श्रम का बाहुल्य होता है। अतः, वे अपनी निर्यात की वस्तुओं में श्रमप्रधान तकनीक का प्रयोग करते हैं। इससे मजदूरी की दरों तथा श्रमिकों के पारिश्रमिक में वृद्धि होती है।

2. भारत में वैश्वीकरण का वर्णन करें। अथवा, भारत में सामान्य व्यक्ति पर वैश्वीकरण का क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर - वैश्वीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा कोई बंद अर्थव्यवस्था विश्व की अन्य अर्थव्यवस्थाओं के साथ जुड़ती है। एक देश के बाजार का अन्य देशों के बाजारों के साथ एकीकरण से वस्तुओं, सेवाओं, प्रौद्योगिकी, पूँजी एवं श्रम का निर्बाध प्रवाह (आदान-प्रदान) सरल हुआ है। भारत इससे अछूता न रहे, अतः नवीन आर्थिक नीति (1991) के अंतर्गत विदेशी व्यापार एवं पूँजी निवेश को उदार बनाया गया। अनावश्यक नियंत्रण, जिसमें लाइसेंस, कोटा आदि शामिल थे, हटा लिए गए। व्यापार शुल्क में भी कमी की गई।

वैश्वीकरण के कारण भारत का विदेशी व्यापार बढ़ा है। अब हम दुनिया के सभी देशों से व्यापार कर रहे हैं और अपने देश से कंप्यूटर सॉफ्टवेयर निर्यात कर रहे हैं। वैश्वीकरण के माध्यम से देश में विदेशी पूँजी निवेश बढ़ा है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपना उत्पादन केंद्र भारत में खोला है। इनमें फोर्ड, टोयोटा, सुजूकी, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल, एडिडास, नाइकी आदि प्रमुख हैं। भारतीय उपभोक्ता के समक्ष वस्तुओं के विकल्प बढ़े हैं। प्रतिस्पर्द्धा से वस्तुओं में गुणात्मक सुधार तथा मूल्य में स्थिरता आई है। आउटसोर्सिंग के माध्यम से विशिष्टताप्राप्त कुशल श्रमिकों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हुए हैं।

3. एक बहुराष्ट्रीय कंपनी द्वारा किसी देश में अपनी उत्पादन इकाई लगाने के निर्णय पर किन बातों का प्रभाव पड़ता है?

अथवा, बहुराष्ट्रीय निगमों ने किस प्रकार विभिन्न देशों के उत्पादन को जोड़ने का कार्य किया है?

उत्तर - बहुराष्ट्रीय निगमों का मुख्य उद्देश्य अधिकतम लाभ अर्जित करना होता है। अतः, वे उन्हीं देशों एवं स्थानों पर अपने कारखाने और संयंत्र की स्थापना करते हैं जो बाजार से निकट हैं, जहाँ कम पारिश्रमिक या वेतन पर कुशल एवं अकुशल श्रमिक उपलब्ध हैं तथा उत्पादन के अन्य कारकों की आपूर्ति सुनिश्चित है। इन स्थानों में वे कम लागत पर ही अपनी वस्तुओं का उत्पादन कर सकते हैं। ऐसे देशों में बहुराष्ट्रीय निगमों का निवेश बढ़ा है। इसके फलस्वरूप विभिन्न देशों के बीच विदेश व्यापार में भी बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है। विदेश व्यापार का एक बड़ा भाग बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा नियंत्रित है। उदाहरण के लिए, 'फोर्ड मोटर्स' का कार-संयंत्र केवल भारत के लिए ही कारों का निर्माण नहीं करता, वरन यहाँ निर्मित कारों और कार के पार्ट-पुर्जों का विश्व के कई अन्य देशों में भी

निर्यात होता है। इस प्रकार, बहुराष्ट्रीय निगमों के क्रियाकलाप से वस्तुओं और सेवाओं के बाजार का निरंतर विस्तार हो रहा है। इसके फलस्वरूप आर्थिक दृष्टि से सभी देश एक-दूसरे से जुड़ गए हैं। विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण या युग्मन की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण है। वैश्वीकरण की इस प्रक्रिया में बहुराष्ट्रीय निगमों की बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। इनकी आर्थिक गतिविधियों से सुदूर स्थानों का उत्पादन भी प्रभावित हुआ है तथा वे एक-दूसरे से जुड़ते जा रहे हैं।

4. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ किस प्रकार दूसरे देशों में उत्पादन पर स्वामित्व या नियंत्रण स्थापित करती हैं?

उत्तर - बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अपने देश के बाहर दूसरे देशों में भी पूँजी का निवेश कर उत्पादन पर नियंत्रण या स्वामित्व स्थापित करती हैं। इन कंपनियों के निवेश का सबसे सामान्य तरीका अन्य देशों की स्थानीय कंपनियों को खरीदना और उसके पश्चात उत्पादन का विस्तार करना है। ये कंपनियाँ प्रायः ऐसी उत्पादन इकाइयों को खरीदती हैं जिनमें विस्तार की पर्याप्त संभावनाएँ वर्तमान होती है।

कई बार बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अन्य देशों की स्थानीय कंपनियों के साथ संयुक्त रूप से उत्पादन करती हैं। इससे उन्हें आधारभूत संरचना के सृजन में अपना समय नष्ट नहीं करना पड़ता है और वे शीघ्र उत्पादन प्रारंभ कर सकती हैं। भारतीय उद्यमियों के पास पूँजी का अभाव है। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ उन्हें मशीन आदि में निवेश के लिए पूँजी प्रदान करने के साथ ही नवीनतम प्रौद्योगिकी भी प्रदान करती हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिकी कंपनी 'फोर्ड मोटर्स' विश्व की सबसे बड़ी कार-निर्माता कंपनी है। कुछ समय पूर्व इस कंपनी ने चेन्नई के निकट एक विशाल कार-संयंत्र की स्थापना की है। यह संयंत्र भारत में जीप, कार और ट्रकों के प्रमुख निर्माता 'महिंद्रा एंड महिंद्रा' के सहयोग से स्थापित किया गया है।

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ एक अन्य तरीके से भी उत्पादन का नियंत्रण करती हैं। वस्त्र, जूते-चप्पल, खेल और सजावट के सामान आदि ऐसी वस्तुएँ हैं जिनका अनेक देशों में छोटे उत्पादकों द्वारा उत्पादन किया जाता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ इन छोटे उत्पादकों द्वारा अपनी देखरेख में उत्पादन करने की व्यवस्था करती हैं तथा इनके तैयार माल को खरीदकर अपने व्यापारिक नाम से विभिन्न देशों में बेचती हैं।

5. विश्व व्यापार संगठन (WTO) क्या है? यह कब और क्यों स्थापित किया गया?

उत्तर - विश्व व्यापार संगठन (World Trade Organization, WTO) विश्व के प्रमुख देशों की एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है जिसका उद्देश्य विदेश व्यापार के विस्तार के लिए इसे यथासंभव मुक्त एवं स्वतंत्र बनाना है। इसकी स्थापना 1995 में हुई। द्वितीय महायुद्ध के समय विश्व के प्रायः सभी देशों में विदेशी व्यापार पर कई प्रकार के प्रतिबंध लगा दिए गए थे। इन प्रतिबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार का क्षेत्र संकुचित होता जा रहा था। अतः, अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 1947 में जेनेवा सम्मेलन में एक समझौता हुआ। यह समझौता 'सामान्य प्रशुल्क एवं व्यापार समझौता' (GATT) कहा गया। अब इसका स्थान विश्व व्यापार संगठन ने ले लिया है। वर्तमान में 161 राष्ट्र विश्व व्यापार संगठन के सदस्य हैं। इसका मुख्यालय जेनेवा में है।

6. वैश्वीकरण

1. वैश्वीकरण का अर्थ है

(A) विदेशी पूँजी एवं विनियोग पर रोक

(B) व्यापार, पूँजी, तकनीक हस्तांतरण, सूचना प्रवाह द्वारा देश की अर्थव्यवस्था का विश्व अर्थव्यवस्था के साथ समन्वय

(C) सरकारीकरण को बढ़ावा

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans- (B)

2. वैश्वीकरण को कहा जाता है-

(A) भूमंडलीकरण

(B) W.TO

(C) निजीकरण

(1)) उदारीकरण

Ans- (A)

3. वैश्वीकरण के फलस्वरूप दो देशों के उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा-

(A) कम होगी

(B) बढ़ जाएगी

(C) घटती-बढ़ती रहेगी

(D) कोई परिवर्तन नहीं होगा

Ans- (B)

4. इनमें से क्या वैश्वीकरण को दोष नहीं है?

(A) सामाजिक कल्याण की उपेक्षा

(B) एकाधिकार में वृद्धि

(C) आर्थिक असमानता में वृद्धि

(D) उद्यमियों को प्रोत्साहन

Ans- (D)

5. वैश्वीकरण को प्रोत्साहित करने वाले प्रमुख कारक हैं

(A) प्रतिस्पर्द्धा

(B) उदारवादी नीतियाँ

(C) विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के अनुभव

(D) उपर्युक्त सभी

Ans- (D)

6. वैश्वीकरण की प्रमुख विशेषता उद्देश्य है

(A) वस्तुओं का मुक्त प्रवाह

(B) पूँजी का मुक्त प्रवाह

(C) प्रौद्योगिकी का मुक्त प्रवाह

(D) इनमें सभी

Ans- (D)

7. भारत में स्थित कॉल सेंटर किस उद्देश्य से कार्यरत रहते हैं?

(A) आपराधिक गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए

(B) ग्राहक सेवा के लिए

(C) रोगी उपचार कार्य के लिए

(D) 'A' और 'B' दोनों

Ans- (B)

8. अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के एकीकरण को कहते हैं।

(A) उदारीकरण

(B) निजीकरण

(C) वैश्वीकरण

(D) इनमें कोई नहीं

Ans- (C)

9. विश्व व्यापार संगठन के वर्तमान सदस्यों की संख्या कितनी है?

(A) 164

(B) 137

(C) 147

(D) 198

Ans- (A)

10. व्यापार, पूँजी, तकनीक एवं सूचना के प्रवाह से प्रोत्साहन मिलता है-

(A) निजीकरण

(B) वैश्वीकरण

(C) उदारीकरण

(D) इनमें से सभी

Ans- (B)

11. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सम्बन्धी नियमों को निर्धारित करने वाली संस्था कौन है?

(A) विश्व बैंक

(B) आई०एम०एफ०

(C) युएनओ

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans- (D)

12. सन् 2009 तक विश्व की वस्तुओं एवं सेवाओं के कुल विदेशी व्यापार में भारत का अंश कितना प्रतिशत था?

(A) 20%

(B) सिर्फ 2%

(C) 40%

(D) 10%

Ans- (B)

13. जब एक विशालकाय भवन को बाजार के रूप में बदल दिया जाता है तो वह कहलाता है -

(A) मंडी

(B) दुकान

(C) शॉपिंग मॉल

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans- (C)

14. किस अर्थशास्त्री ने उदार आर्थिक नीति का समर्थन किया था?

(A) मार्शल

(B) एडम स्मिथ

(C) पीगू

(D) रॉबिन्स

Ans- (B)

15. उदारीकरण का तात्पर्य है-

(A) अर्थव्यवस्था में आर्थिक नियंत्रणों को समाप्त करना

(B) MRTP Act से छूट

(C) निजी क्षेत्र के उद्योगों का विस्तार

(D) उपर्युक्त सभी

Ans- (C)

16. इनमें से कौन-सी बहुराष्ट्रीय कंपनी है?

(A) फोर्ड मोटर्स

(B) सैमसंग

(C) कोका-कोला

(D) इनमें से सभी

Ans- (D)

17. नई आर्थिक नीति के घटक हैं-

(A) निजीकरण एवं वैश्वीकरण

(B) वैश्वीकरण एवं उदारीकरण

(C) उदारीकरण एवं निजीकरण

(D) उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण

Ans- (D)

18. बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा दूसरे देशों में निवेश श सबसे सामान्य तरीका है-

(A) नए कारखानों की स्थापना

(B) स्थानीय कंपनियों को खरीद लेना

(C) स्थानीय कंपनियों से साझेदारी

(D) इनमें सभी

Ans- (D)

19. पारले ग्रुप के 'थम्स अप' नामक ब्रांड को किस बहुराष्ट्रीय कंपनी ने खरीद लिया?

(A) कोका-कोला

(B) एल० जी०

(C) रिबॉक

(D) नोकिया

Ans- (D)

20. इनमें से कौन भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है?

(A) नोकिया

(C) सैमसंग

(B) डाबर

(D) इनमें कोई नहीं

Ans- (A)

21. निजीकरण का क्या तात्पर्य है?

(A) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों को निजी के हाथ हस्तांतरित करना

(B) निजी क्षेत्र पर से अनावश्यक प्रतिबंधों को हटाना

(C) निजी क्षेत्र को महत्त्वपूर्ण भूमिका

(D) उपर्युक्त सभी के हाथ हस्तांतरित करना

Ans- (B)

22. निम्न में से कौन विदेशी ब्रांड नहीं है?

(A) हुंडई

(B) टोयोटा

(C) फोर्ड

(D) टाटा

Ans- (A)

23. बेश्विक गाँव किस युग की अवधारणा है?

(A) आधुनिक

(B) पाषाण

(C) प्राचीन

(D) मध्य

Ans- (D)

24.इनमें कौन भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है?

(A) एप्पल

(B) रिवॉक

(C) सैमसंग

(D) टाटा

Ans- (A)

25. वैश्वीकरण के मुख्य अंग कितने हैं?

(A) एक

(B) दो

(C) पाँच

(D) चार

Ans- (D)

26. विश्व व्यापार संगठन का मुख्यालय कहाँ है?

(A) जेनेवा

(B) पेरिस

(C) न्यूयार्क

(D) वाशिंगटन

Ans- (C)

27. विश्व व्यापार संगठन (WTO) की स्थापना कब हुई?

(A) 1991 ई०

(B) 1993 ई०

(C) 1995 ई०

(D) 1997 ई०

(D) 1997 इ०

Ans- (A)

28. निम्नलिखित में से क्या नई आर्थिक नीति का अंग नहीं है?

(A) निजीकरण

(B) वैश्वीकरण

(C) राष्ट्रीयकरण

(D) उदारीकरण

Ans- (C)

29. भारत में वैश्वीकरण की प्रक्रिया कब शुरू हुई?

(A) 1991

(B) 1980

(C) 1992

(D) 1996

Ans- (C)

30. हमारे देश का कौन-सा शहर सूचना प्राद्योगिकी का केन्द्र बन गया है?

(A) बंगलुरु

(B) दिल्ली

(C) मुंबई

(D) चेन्नई

Ans- (A)

31. पूरे विश्व में आर्थिक वर्चस्व है -

(A) ब्रिटेन का

(B) अमेरिका का

(C) फ्रांस का

(D) रूस का

Ans- (A)

32. अमेरिका से पहले किस देश की पूरी दुनिया पर राजनीतिक और आर्थिक वर्चस्व बना हुआ था?

(A) भारत

(B) ब्रिटेन

(C) फ्रांस

(D) रूस

Ans- (B)

33. वैश्वीकरण से बिहार के किस उनको क प्रोत्साहन मिला है?

(A) कृषि एवं पशुपालन

(B) पर्यटन

(C) विनिर्माण

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans- (B)

34. वैश्वीकरण का सबसे नकारात्मक प्रभाव किय क्षेत्र में देखा गया है?

(A) कृषि एवं ग्रामीण

(B) रोजगार

(C) बैंक

(D) उद्योग

Ans- (B)

35. निम्नलिखित में से किस राज्य में आधार संरचना के कारण वैश्वीकरण का प्रभाव कम है?

(A) बिहार

(B) उत्तरप्रदेश

(C) मध्यप्रदेश

(D) राजस्थान

Ans- (A)

36. बिहार में कितना प्रतिशत निवेश में वृद्धि हुई है?

(A) 147%

(B) 145%

(C) 150%

(D) 143%

Ans- (A)